

शहर >> अपडेट

सीपी सिंह और लंबोदर

महतो का मिला समर्थन

रांची: वैतनमान की मांग को लेकर राज्यवन के समक्ष अनिश्चितालीन धरना पर बैठे टेट पास पारा शिक्षकों का आंदोलन 17वें दिन भी जारी रहा। सरकार की गाड़ियालीफी से नाराज होकर धरना दे रहे थे लेकिन इस समिलन वीजपी विधायक सीपी सिंह और आजसू विधायक लंबोदर महतो पहुंचे। एनडीए के दोनों नेताओं ने पारा शिक्षकों की इस दौरान आशासनों की झड़ी भी लाई और टेट पास पारा शिक्षकों के आंदोलन को जायज बताते हुए समर्थन भी देकरी बात कही वीजपी विधायक सीपी सिंह ने कहा कि टेट पास पारा शिक्षकों के वैतनमान देने के मुद्दे पर पिछली सरकार में काफी बात आगे बढ़ चुकी थी। मपार तक चुनाव आने की वजह से नहीं हो पाया और सरकार बदल गई।

भाजपा और झामुमो सुपवा दुसे चलनीयों के और चलनीयों दुसे सुपवा की राजनीति कर रही है: नायक

राष्ट्रीय खबर

रांची: उपरोक्त बातें आज झारखण्ड बचाओ के केंद्रीय संघेजक सह आविधारी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने आज भाजपा और झामुमो नेताओं के द्वारा सिर्फ और सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने पर अपनी प्रतिक्रिया में कही। इन्होंने अगे कहा कि दोनों पार्टियों जनता के बुनियादी सवालों से बाहर नहीं है और सिर्फ और सिर्फ अपने अपने को दुध का धूला साखित करने में लगी हुई है जिसे जनता देख भी रही है और समझ भी रही है। श्री नायक ने अगे कहा कि भाजपा झामुमो की राजनीति से जनता उब चुकी है और आने वाले दिनों में 2024 के चुनाव में झारखण्डी जनता इन दोनों पार्टियों को सत्ता में बैठाने नहीं जा रही है और इस बार नई झारखण्डी तक पह यत नहीं चल पाया है कि किन-किन लोगों खिलाफ मामला दर्ज होगा। अज हीं एफआईआर दर्ज होने की सभावना है बिना दें कि 6 सिंबंवर को सरिया कुंदन कुमार के द्वारा संकल्प यात्रा के आयोजन की गई थी, जबकि

को बेवकुफ बनाकर चुनाव में किया गये वादों को पुरा नहीं कर वादाविलासी करने की रही है दोनों पार्टियों ने जनता के लिये वादों को पुरा करने की नहीं रही है सिर्फ ये दोनों पार्टियों ने झारखण्ड की सम्पदा को लुटने लुटवाने का कार्य कर पाटी फण्ड को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करते रहे हैं। जो भाजपा की राजनीति है वही शेष राजनीति की आयोजन का आरोप है। एसडीए इस बाबत निर्देश जारी किया है। जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी बिना दें कि किंकार-बोर्ड सरिया एसडीए कुंदन कुमार के द्वारा फ्लाइंग स्कॉयड टीम को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही एफआईआर की तैयारी में टीम जुट गई है। अपील तक गवर्नर नहीं चल पाया है कि निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही एफआईआर की तैयारी में टीम जुट गई है। अपील तक गवर्नर नहीं चल पाया है कि किन-किन लोगों खिलाफ मामला दर्ज होगा। अज हीं एफआईआर दर्ज होने की सभावना है बिना दें कि 6 सिंबंवर को सरिया कुंदन कुमार के द्वारा संकल्प यात्रा के लिए अनुमति नहीं ली गई थी, जबकि

राहुल गांधी के हाथों मजबूत इतिहास की नींव पर बुलन्द भविष्य का निर्माण होगा : आलोक कुमार दूबे

राष्ट्रीय खबर



रांची: भारत जोड़ो यात्रा के एक वर्ष पूरा होने पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, फिरोज रिजवी मुन्ना एवं रंजीत महतो के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यक्रमों ने आज शाम चार बजे विवेकनन्द चौक डोरेंडा से भारत जोड़ो यात्रा निकाली। वाथों में शोगन लिखे हए महांगाई से नाता तोड़ो भारत जोड़ा, मिले कदम जुड़े वतन, गीरब की थाली की रोटी-बढ़ती महांगाई ने कर दी छोटी, गरीबों को उनका हक किलाएं - मिलकर महांगाई को

है, स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ समझौता किया जा रहा है, महंगाई भारत जोड़ो पेस्टर लेकर नारे लगाते हुए भारत जोड़ो यात्रा विभिन्न मार्गों से भारत जोड़ो यात्रा बढ़ती चलती जा रही है, रुपए का अवधूलन हो रहा है और बड़े-बड़े उद्घासीय की रुपाने तो देखते हैं, कर्ज माफ किए जा रहे हैं,

विवाद

पार्टी के अंदर ही दो फाड़ साफ नजर आया

भारत जोड़ो यात्रा पर भी पार्टी में एकजुटता कायम करने से दूर प्रभारी

► मुख्य कार्यक्रम शहीद स्मारक से

► दूसरा कार्यक्रम

रांजेंद्र चौक से पारंग

► गुटाजी की खत्त

करने की पहल नहीं

राष्ट्रीय खबर



खेमों में साफ तौर पर बंटी हुई है। अजीब स्थिति यह है कि इस दूरी को पाटने की दिशा में झारखण्ड के प्रभारी अविनाश पांडेय की शाहदेव स्थानांतरण पर थे लेकिन इससे साफ हो गया कि जानकारों की माने तो विवाद की

नतीजा है कि कौन नेता किस गुट में है, यह हर कांग्रेसी को पता है पर प्रभारी को पाटी को एकजुट करने की कोई चिंता नहीं है। जानकारों की माने तो विवाद की

उनके पीछे होने की भी राजनीतिक निहितार्थ निकाले गये। आम तौर पर पाटी को कार्यक्रम में लगातार शामिल होने वाले अनेक नेताओं को शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की अनुपस्थिति अथवा

नाराज चल रहे हैं। लोकसभा चुनाव की बातें दो दौर में पाटी खुट्टी को जब नहीं जोड़ पारही है तो लोग इसके लिए झारखण्ड प्रभारी के साथ अपीली फोटो लेने में जुटे हैं, उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की अनुपस्थिति अथवा

नाराज चल रहे हैं। लोकसभा चुनाव की बातें दो दौर में पाटी खुट्टी को जब नहीं जोड़ पारही है तो लोग इसके लिए झारखण्ड प्रभारी के साथ अपीली फोटो लेने में जुटे हैं, उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शहीद चौक से अलवर्ट एकका चौक तक जाते हुए भी पीछे की कतार में देखा गया। दुसरी तरफ अविनाश पांडेय के साथ चारों ओर खुट्टी खोड़ती है और आरपीएन सिंह की छत्रायां में आगे बढ़ गया। उपरोक्त ग्रामीणों में किसी नेता नहीं आते हैं। इसी नेताओं की जाकरी की सभावना है कि जबकि उनके पीछे की शही

